मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंकः 96, मुंबई, बुधवार, 5 जून, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

एनडीए को न प्यार, न तिरस्कार

भाजपा 240 पर अटकी !

एनडीए को बहुमत, नीतीश और नायडु के हाथ सत्ता की चाबी

यूपी, महाराष्ट्र, बंगाल और पंजाब में बुरी तरह फिसली भाजपा

मुंबई हलचल / संवाददाता
नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ गए। मंगलवार को हुई मतगणना के बाद आए नतीजों में भाजपा बुरी तरह से चुनाव हारी है। लगातार दो चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली भाजपा इस बार बहुमत से पीछे रह गई। भाजपा को सिर्फ 240 सीटें मिलीं हैं, जो बहुमत से 32 कम हैं। उसे पिछली बार 303 सीटें मिली थीं। इस लिहाज से इस बार उसे 63 सीटें कम मिली हैं। हालांकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को पूर्ण बहुमत मिल गया है। एनडीए को 293 सीटें मिली हैं। भाजपा को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में बड़ा नुकसान हुआ है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

देश मोदी, शाह को नहीं चाहताः राहुल

लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव नतीजों से तय हो गया है कि देश मोदी और शाह को नहीं चाहता है। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में देश की जनता ने संविधान और लोकतंत्र को बचा लिया। राहुल ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बनाने की कोशिश करने से जुड़े सवाल पर कहा कि बुधवार, पांच जून को गठबंधन की बैठक होगी और उसमें इस बारे में बात की जाएगी।

महाराष्ट्र में बीजेपी के हाल बेहाल
सिर्फ 17 सीटों पर सिमटा एनडीए

बीड में बीजेपी को बड़ा झटका
पंकजा मुंडे की हार, शरद पवार गुट के बजरंग सोनवणे ने मारी बाजी

देवेंद्र फडणवीस ने स्वीकारी हार
बोले- विपक्ष के दुष्प्रचार के चलते हारे, विधानसभा चुनाव में करेंगे भरपाई

चुनावी नतीजे को शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने बताया नरेंद्र मोदी की हार और राहुल गांधी की जीत

सीटों का गणित

543	293	232	18
कुल सीटें	एनडीए	इंडिया	अन्य
सीटों का गणित	भाजपा 240	कांग्रेस 100	क्षेत्रीय, निर्दलीय

दिग्गज जीते

नरेंद्र मोदी

अमित शाह

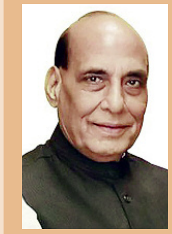
राजनाथ सिंह

राहुल गांधी

कुमारी सैलजा

शशि थरूर

दिग्गज हारे

स्मृति ईरानी

अर्जुन मुण्डा

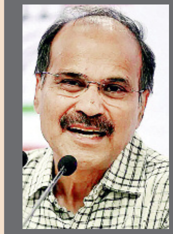
अधीर रंजन चौधरी

वाई.एस. शर्मिला रेड्डी

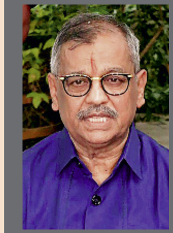
उज्जवल निकम

साधवी ज्योति

एग्जिट पोल की खुल गई पोल

नतीजे ऐसे आए कि भाजपा खुश और कांग्रेस भी खुश

लोकसभा के चुनाव परिणाम और रुझानों ने चौंकाया, एनडीए के 400 पार का सपना रहा अधूरा

हमारी बात

मोदी के लिए मुश्किल

एनडीए अगर एकजुट रहा, तो भी सहयोगी दलों के तेवर गुजरे दस वर्षों जैसे नहीं रहेंगे। ऐसे में गठबंधन और सरकार का नेतृत्व करना एक नए तरह के कौशल की मांग करेगा। नरेंद्र मोदी ऐसे कौशल के लिए नहीं जाने जाते।

दो राज्यों- उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वाकांक्षाओं और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे पर तगड़ा प्रहार किया। इनके अलावा कई और राज्यों ने पार्टी के वर्चस्व में सेंध लगाई। इनमें हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, झारखंड एवं कुछ अन्य राज्यों का जिक्र किया जा सकता है। भाजपा को ओडिशा, तेलंगाना, और यहां तक कि केरल में भी अनपेक्षित सफलताएं मिलीं। लेकिन यह कामयाबी जिन राज्यों ने उसे झटका दिया, उसकी भरपाई करने लायक नहीं है। नतीजा यह है कि पार्टी के हाथ से बहुमत निकल गया है। बल्कि बहुमत से उसकी दूरी अच्छी-खासी है। हालांकि भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए को जरूर स्पष्ट बहुमत मिला है, लेकिन अब जो सियासी उभरी है, उसमें कौन किस गठबंधन में रहेगा, यह फिलहाल अनिश्चित हो गया है। फिलहाल निश्चित यह है कि एनडीए अगर एकजुट रहा, तो भी सहयोगी दलों के तेवर गुजरे दस वर्षों जैसे नहीं रहेंगे। ऐसे में गठबंधन और सरकार का नेतृत्व करना एक नए तरह के कौशल की मांग करेगा। नरेंद्र मोदी ऐसे कौशल के लिए नहीं जाने जाते। उनकी पहचान आदेशात्मक अंदाज में शासन करने वाले नेता की रही है। इसीलिए एनडीए को बहुमत मिलने और भाजपा के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने के बावजूद मोदी-शाह की जोड़ी के लिए पहले की तरह राज करना आसान नहीं होगा। अतः कहा जा सकता है कि 2024 के जनादेश से देश के राजनीतिक गतिशास्त्र में भारी बदलाव आ सकता है। इस चुनाव ने इस धारणा को तोड़ दिया है कि आरएसएस के एजेंडे और मोनोपॉली कॉरपोरेट के साथ उसके गठजोड़ ने भारतीय राजसत्ता पर अपना अटूट शिकंजा कस लिया है। नरेंद्र मोदी इसी शिकंजे का प्रतीक समझे जा रहे थे। इस शिकंजे में प्रधानमंत्री का भरोसा इतना गहरा था कि जन-कल्याण के एजेंडे को वे रेवड़ी बताने लगे। इसकी कीमत उनकी पार्टी को चुकानी पड़ी है। नतीजतन, मोदी अब अपने पुराने अंदाज में राज नहीं कर पाएंगे। वे किस अंदाज में शासन करते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा। अब उन्हें हमेशा यह याद रखना होगा कि बहुमत गंवाने की तलवार उनके सिर पर लटकी हुई है।

फूजीफिल्म इंडिया और एनएम मेडिकल ने स्किल लैब लॉन्च की

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। फुजीफिल्म इंडिया के हेल्थकेयर डिवीजन ने एनएम मेडिकल मुंबई के साथ मिलकर हाल ही में रेडियोलॉजिस्ट और रेडियोग्राफर के लिए FFDM (फुल-फील्ड डिजिटल मैमोग्राफी) तकनीक में एडवांस्ड ट्रेनिंग प्रदान करने के लिए अपनी पहली फुजीफिल्म स्किल लैब शुरू की। इस स्किल लैब उद्घाटन कार्यक्रम में आठ उम्मीदवारों ने भाग लिया, जिनमें चार रेडियोलॉजिस्ट और चार रेडियोग्राफर शामिल थे। फुजीफिल्म मैमोग्राफी स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम रेडियोग्राफरों और रेडियोलॉजिस्टों को अपनी स्किल को बढ़ाने और फुजीफिल्म की तकनीकी रूप से एडवांस्ड मैमोग्राफी मशीनों का उपयोग करके अपने मरीजों और ग्राहकों को बेहतर डायग्नोसिस प्रदान करने और ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

फुजीफिल्म इंडिया के हेल्थकेयर बिजनेस, HOD &वाइस प्रेसिडेंट श्री चंद्र शेखर सिबल ने कहा, फुजीफिल्म मैमोग्राफी स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम रेडियोग्राफरों और रेडियोलॉजिस्टों को मैमोग्राफी में अपनी विशेषज्ञता और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाई गयी एक महत्वपूर्ण पहल है। ब्रेस्ट इमेजिंग में काम करने वाले प्रोफेसनल्स के लिए यह स्किल डेवलपमेंट विशेष रूप से तैयार किया गया है यह स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम फुजीफिल्म द्वारा विकसित तकनीकी रूप से एडवांस्ड मैमोग्राफी मशीनों की सम्पूर्ण क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए डिजाइन किया गया है। रेडियोग्राफरों और रेडियोलॉजिस्टों को आवश्यक स्किल और एक्सपर्टीज से लैस करके ब्रेस्ट कैंसर का पता लगाने, डायग्नोसिस करने और मरीज देखभाल पर बेहतर प्रभाव डालने का प्रयास है। इन प्रयासों से ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित मरीज की सेहत में सुधार हो सकता है और उनकी जान बचायी जा सकती है।

इस पर टिप्पणी देते हुए फुजीफिल्म इंडिया के हेल्थकेयर बिजनेस सलाहकार श्री शुन्सुके होंडा ने कहा, वैल्सेयू फ्रॉम इनोवेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर खरे उतरते हुए हम फुजीफिल्म इंडिया में एडवांस्ड तकनीकों को पेश करके, जानकारी प्रदान जानकारी प्रदान करेंगे इससे हम हेल्थकेयर प्रोफेसनल्स को ऐसे उपकरणों से सशक्त बनाकर हेल्थकेयर इंडस्ट्री को बदलने के लिए प्रेरित हैं जो डायग्नोसिस को बेहतर बनाएंगे। हर एक तबके को एक समान हेल्थकेयर प्रदान करने के हमारे प्रयास में हम उन हेल्थकेयर प्रोफेसनल्स को स्किल प्रदान करते हैं जो ब्रेस्ट कैंसर से लड़ने में सबसे आगे हैं और एक स्वस्थ राष्ट्र बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

NM मेडिकल के डायरेक्टर श्री राहिल शाह ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम फुजीफिल्म इण्डिया के साथ यह साझेदारी करके बहुत खुश हैं। इस साझेदारी के तहत सही उपकरण, स्किल और हेल्थकेयर प्रोफेसनल्स सटीक डायग्नोसिस प्रथा को बढ़ाने के लिए एक साथ आएंगे। हम यहाँ एक बड़े समुदाय की सेवा करने और एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करना चाहते हैं, जहाँ समय रहते बीमारी का पता लगाकर और सही सटीकता से जीवन बचाया जा सके। हम साथ मिलकर ब्रेस्ट कैंसर के खिलाफ अपनी लड़ाई में उल्लेखनीय बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम समय रहते बीमारियों का पता लगाने और जीवन के लिए खतरनाक बीमारियों को कम करने के इस कदम पर आगे बढ़ रहे हैं, और इसी के कारण हमारा मानना है कि शिक्षा, इनोवेशन (नवाचार) और सहयोग एक साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ब्रेस्ट इमेजिंग एवं इंटरवेंशन कंसल्टेंट डॉ. शिल्पा लाड ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा, NM मेडिकल, मुंबई के सहयोग से फुजीफिल्म इंडिया मैमोग्राफी स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम रेडियोलॉजिस्ट को अत्याधुनिक मैमोग्राफी तकनीक में ट्रेनिंग देके मरीज की देखभाल को बेहतर बनाएगा। व्यापक स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम मैमोग्राफी के सभी पहलुओं को कवर करने वाले व्यावहारिक एप्लीकेशन के साथ व्यावहारिक ट्रेनिंग प्रदान करता है, मरीज की हालत से लेकर एडवांस्ड इमेजिंग प्रक्रियाओं तक इमेजिंग तकनीकों, टेक्नोलॉजी ओवरव्यू और व्यावहारिक अनुभव पर जोर देता है, जो रेडियोलॉजिस्ट और रेडियोग्राफरों को मैमोग्राफी और 3 डी टोमोसिंथेसिस जैसे एडवांस्ड एप्लीकेशन में नवीनतम प्रगति के साथ अपडेटेड रहने में मदद करेगा। हम महिलाओं के हेल्थकेयर स्टैंडर्ड्स को बेहतर बनाने और ट्रेनिंग का अवसर प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं जिससे हेल्थकेयर प्रोफेसनल्स को फायदा मिलेगा और मरीजों को हाई क्वालिटी वाला इलाज और देखभाल मुहैया हो सकेगी। फुजीफिल्म स्किल लैब मैमोग्राफी के क्षेत्र में हेल्थकेयर प्रोफेसनल्स की क्षमताओं को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह लैब मेडिकल इमेजिंग तकनीक को आगे बढ़ाने और मरीज के परिणामों में सुधार करने के लिए फुजीफिल्म की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

FUJIFILM इंडिया के बारे में FUJIFILM इंडिया प्रा. लिमिटेड 2007 में स्थापित FUJIFILM होल्डिंग्स कॉर्पोरेशन, टोक्यो की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। FUJIFILM इंडिया तीन व्यावसायिक क्षेत्रों - हेल्थकेयर, मैटेरियल्स और इमेजिंग में काम करती है। तकनीकी रूप से एडवांस प्रोडक्ट्स के बड़े पोर्टफोलियो के साथ कंपनी हेल्थकेयर, एंडोस्कोपी सिस्टम, फोटो इमेजिंग सॉल्यूशंस, डिजिटल स्टिल कैमरा, इंस्टेंट फोटो सिस्टम (इंस्टैक्स), ऑप्टिकल डिवाइस, ग्राफिक कम्युनिकेशन सॉल्यूशंस, मल्टीफंक्शन प्रिंटर, रिकॉर्डिंग मीडिया और इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट बिजनेस में शामिल है। ज्यादा जानकारी के लिए कृपया https://www.fujifilm.com/in/en विजिट करें।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मधुमिता क्रिएटिव फाउंडेशन ने दरियादिल मुंबईकर को संगीत, नृत्य और नाटक की एक मनमोहक शाम में किया आमंत्रित

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मधुमिता क्रिएटिव फाउंडेशन ने दरियादिल मुंबईकर को संगीत, नृत्य और नाटक की एक मनमोहक शाम में आमंत्रित किया। यह प्रसिद्ध रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा लिखित 'चित्रांगदा' प्रस्तुति हैं। 'चित्रांगदा' मणिपुर की एक योद्धा राजकुमारी की कहानी बताती है जिसे अर्जुन से प्यार हो जाता है। प्यार में डूबी, वह खुद के टुकड़े खोना शुरू कर देती है जब तक कि वह अपने असली स्वरूप को पहचान नहीं पाती। क्या चित्रांगदा का प्यार अर्जुन पर जीत हासिल करेगा, या वह प्यार के नाम पर वह सब कुछ खो देगी जिसके लिए उसने खुद को समर्पित किया? दरियागंज मुंबईकर ने एक बार पुन अपनी एकता का प्रदर्शन किया। संस्थापिका अर्चना देशमुख जी ने बतलाया कि वह अपनी टीम के साथ यहां आई और बड़े ही जिज्ञासा के साथ में यह सुंदर नृत्य नाटिका देखा। और कहां की हमें हमेशा इस प्रकार के नृत्य नाटिका को प्रमोट करना चाहिए और सभी को यह देखने की सलाह दी। तथा टीम का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया और आने वाले सभी शो के लिए शुभकामनाएं दी।

फील्ड पर अचानक गिर पड़ा खिलाड़ी, मैच के दौरान आया हार्ट अटैक, मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बीते दिनों से हार्ट अटैक की खबरें काफी ज्यादा सामने आ रही हैं। आए दिन कहीं ना कहीं कोई ना कोई ऐसा वाकया सामने आ ही जाता है। ताजा मामला सामने आया मुंबई के ठाणे के मीरा रोड इलाके से। यहां एक क्रिकेट मैच के दौरान एक खिलाड़ी को हार्ट अटैक आ गया। वो खेलते-खेलते गिर गया। इस घटना का वीडियो अब वायरल हो रहा है। गिरने के बाद खिलाड़ी को आस-पास के लोग उसे अस्पताल ले गए। अस्पताल जाकर डॉक्टरों ने खिलाड़ी का इलाज किया लेकिन खिलाड़ी ने दम तोड़ दिया। अब इस घटना से कई सवाल खडे.हो गए है। सोशल मीडिया पर लोग अलग-अलग तरह के सवाल पूछ रहे हैं। ये घटना काशीगांव थाने इलाके में हुई है। यहां एक क्रिकेट मैच चल रहा था। एक प्लेयर ने शॉट लगाया। इसके बाद वो क्रीज पर अगली बॉल का इंतजार कर रहा था। अचानक वो गिर पड़ा। उसको गिरता देखकर मैच खेल रहे दूसरे प्लेयर्स उसके पास भागे। अंपायर भी उसकी मदद के लिए उसके पास गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। शुरूआत में लगा कि प्लेयर केवल बेहोश हो गया है। ऐसा माना गया की शायद ज्यादा गर्मी के कारण उसे होश में लाने की कोशिशें की गईं, लेकिन वो होश में नहीं आया। तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पता चला कि उसे हार्ट अटैक आया था। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल है। यूजर्स अलग-अलग विचार व्यक्त कर रहे हैं। फिलहाल इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं जो डॉक्टरों के लिए चिंता का विषय बन रहे हैं।

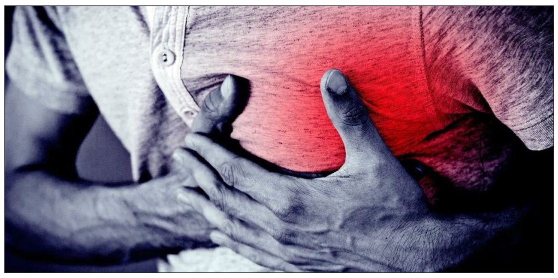

विशाल पाटिल के विजय के पीछे पूर्व मंत्री विधायक विश्वजीत कदम उर्फ बाला साहब की ताकत

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली। सांगली लोकसभा चुनाव के विजय उमीदवार विशाल पाटिल जो की अपक्ष उमीदवार थे, विशाल पाटिल राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के राज्य के पदाधिकारी है, गठबंधन के चलते कांग्रेस पार्टी को अपने हक की जगह से पीछे हटना पड़ा था, पूर्व मंत्री एवम विधायक विश्वजीत कदम उर्फ बाला साहब ने पूरी कोशिश की लेकिन गटबंधन के चलते उद्धव ठाकरे शिव सेना के लिए अपने हक की जगह से पीछे हटना पड़ा, लेकिन विश्वजीत कदम ने विशाल पाटिल को जबान दी थी की कुछ भी हो जाए उमीदवारी करवा विजय भी मैं दिलाऊंगा, और विश्वजीत कदम उर्फ बाला साहब ने 1 लाख वोटो से विजय कर दिखाया, स्वर्गीय पतंगराव कदम साहब के विचारधारा का स्मरण रखते हुऐ, कार्य कर रहे हैं, आज विधायक विश्वजीत कदम उर्फ बाला साहब ने विशाल पाटिल को एक लाख से अधिक वोटो से विजय करा वो कर दिखाया, आज पूरे महाराष्ट्र का ध्यान सांगली लोकसभा की और था, और विधायक विश्वजीत कदम उर्फ बाला साहब ने कर दिखाया जो वो एक बार बोलते हैं वह वो कर दिखाते है और उन्होंने कर दिखाया, आज विश्वजीत कदम उर्फ बाला साहब का बालबोला है।

उत्तर मुंबई के सांसद व कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल को जीत की बधाई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा कांदिवली पूर्व विधान सभा के मीडिया प्रभारी व पत्रकार संदीप सिंह ने उत्तर मुंबई के लोक प्रिय सांसद व कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल जी भारी मतों से जीत की बधाई देते हुये उत्तर मुंबई के जनता का दिल दे आभार व्यक्त किया है संदीप सिंह ने बताया की पीयूष जी सबसे तेज नेता में गिने जाते ये प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के करीबी में से एक है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

भाजपा 240 पर अटकी!

दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने शानदार प्रदर्शन किया है। उसे कुल 203 सीटें मिली हैं। गठबंधन की मुख्य पार्टी कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। पिछले दो चुनावों में वह क्रमशः 44 और 52 सीट जीत पाई थी। राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों से चुनाव जीत गए हैं। कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 37 सीटों पर जीत हासिल की है। विपक्षी गठबंधन की सहयोगी डीएमके ने तमिलनाडु में पिछला प्रदर्शन बरकरार रखा। उसने 22 सीटें जीती हैं। अन्य के खाते में 18 सीटें गई हैं। ममता बनर्जी ने 'इंडिया' ब्लॉक से अलग चुनाव लड़ा था और वे 29 सीटें जीतने में कामयाब रहीं। पिछली बार 18 सीट जीतने वाली भाजपा 12 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली। पार्टी के दिग्गज नेता और प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी अपनी पारंपरिक बहरामपुर सीट पर चुनाव हार गए। विपक्षी गठबंधन की पार्टियों ने महाराष्ट्र में भी शानदार प्रदर्शन किया। उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने नौ और शरद पवार की एनसीपी ने सात सीटों पर जीत दर्ज की। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल को चार और झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा को तीन सीटें मिलीं। आम आदमी पार्टी को पंजाब में तीन सीटों से संतोष करना पड़ा। जहां तक भाजपा की सहयोगी पार्टियों का सवाल है तो बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यू ने 12 सीटों पर जीत हासिल की। आंध्र प्रदेश में ठीक चुनाव से पहले भाजपा ने चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी से तालमेल किया था और टीडीपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 सीटें जीती है। केंद्र में एनडीए की सरकार बनाने में इन दो पार्टियों की अहम भूमिका हो सकती है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को सात सीटें मिली हैं। भाजपा की अन्य सहयोगी पार्टियों को 18 सीटें मिली हैं। चुनाव नतीजों के बाद मंगलवार को सोनिया व राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के दिल्ली मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें राहुल ने कहा- देश मोदी और शाह को नहीं चाहता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा के कम हुए जनाधार के लिए प्रधानमंत्री मोदी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह मोदी की नैतिक हार है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी कहा कि यह मोदी की हार है। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में महासंग्राम, महाविकास अघाड़ी ने एनडीए को पीछे धकेला, उद्धव भी आगे

लोकसभा चुनाव 2024 में महाराष्ट्र के सभी के सभी 48 सीटों के परिणाम लगभग आ चुके हैं। इलेक्शन कमिशन के मुताबिक, भाजपा गठबंधन मात्र 18 सीटों पर सिमट गई है, तो इंडी गठबंधन 29 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं 1 सीट पर निर्दलीय ने बढ़त बनाई है। महाराष्ट्र में एनडीए को बड़ा नुकसान हुआ है जबकि कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) तथा एनसीपी (एसपी) को ज्यादा फायदा हुआ है। शिवसेना उद्धव गुट के सामने शिवसेना शिंदे गुट को बड़ा झटका लगा है। शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे के घर जश्न मनाया जा रहा है। सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता एक दूसरे को मिठाई खिला रहे हैं। महाराष्ट्र की नासिक लोकसभा सीट से शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रत्याशी राजाभाऊ वाजे ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्हें 1.60 लाख से अधिक वोट मिले हैं। शिंदे गुट को यहां से बड़ा झटका लगा है।

नरेंद्र मोदी तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि ठाणे से हमारे उम्मीदवार नरेश म्हस्के को भारी जीत हासिल हुई है। मैं इन्हें बधाई देता हूं। वे ठाणे लोकसभा का विकास करेंगे। मैं सभी का और PM मोदी का अभिनंदन करता हूं, वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। पीएम मोदी विकास के एजेंडे पर चुनाव लड़ रहे थे। इस देश की जनता ने विकास को वोट दिया है। जिन लोगों ने कहा था कि पीएम मोदी को तड़ीपार करो, उन लोगों को सत्ता से दूर रखकर जनता ने तड़ीपार कर दिया है।

कल्याण लोकसभा सीट से श्रीकांत शिंदे जीते

नंदुरबार लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी ने 1.50 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं कल्याण लोकसभा सीट से श्रीकांत शिंदे भी जीत गए हैं। जीत के बाद श्रीकांत भावुक दिखे। कल्याण लोकससभा सीट पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के श्रीकांत शिंदे का मुकाबला वैशाली डारेकर राणे से था।

कोंकण में पहली बार खिला कमल

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के उम्मीदवार नारायण राणे जीत गए हैं। कोंकण में आखिरकार कमल खिल गया है। राणे ने महाराष्ट्र के रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा सीट से जीत हासिल कर ली है। राणे को 4,14,934 वोट मिले। वहीं शिवसेना उद्धवगुट के विनायक राउत को 3,56,304 वोट मिले। नारायण राणे ने इसका श्रेय पीएम मोदी को दिया है।

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल ने सबसे बड़ा 'खेला' किया है - संजय

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि देश में बदलाव होने जा रहा है। हम इसे सकारात्मक रूप से देखते हैं। शाम तक भाजपा और सीटें हार जाएंगी। वो 240 से नीचे आ जाएंगे। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल ने सबसे बड़ा 'खेला' किया है।

नीतीश और नायडू को क्या चाहिए

सारे चुनाव नतीजे आने से पहले ही कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों की ओर से नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू पर डोरे डाले जाने लगे। विपक्ष की ओर से कहा गया कि वे एनडीए के इन दोनों नेताओं से बात करेंगे और उन्हें भाजपा का साथ छोड़ कर विपक्षी गठबंधन के साथ आने के लिए मनाएंगे। इस बीच जानकार सूत्रों का कहना है कि दोनों पार्टियां बेहतर मोलभाव और सौदेबाजी के विकल्प पर विचार कर रही हैं। जानकार सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार बिहार छोड़ने के मूड में नहीं हैं। अपनी उम्र और सेहत की वजह से वे दिल्ली की राजनीति में किसी तरह की भूमिका नहीं निभाना चाहते हैं। चंद्रबाबू नायडू भी मुख्यमंत्री बनने को ही तरजीह देंगे। हालांकि एक अटकल यह भी थी कि वे अपने बेटे नारा लोकेश को मुख्यमंत्री बना देंगे और खुद दिल्ली में कोई बड़ी भूमिका लेने की कोशिश करेंगे। कहा जा रहा है कि वे दोनों गठबंधनों में उप प्रधानमंत्री पद की मांग कर सकते हैं। नीतीश कुमार चाहते हैं कि बिहार विधानसभा का चुनाव जल्दी है। भाजपा और राजद दोनों को इस पर आपत्ति थी। लेकिन अगर भाजपा जल्दी चुनाव के लिए तैयार हो जाती है तो नीतीश की पहली पसंद भाजपा ही होगी। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से उनकी पार्टी ने प्रदर्शन किया है उसके बाद उनकी पार्टी के नेताओं को लग रहा है कि इस गठबंधन में रहते हुए विधानसभा चुनाव हुए तो फिर से जदयू 70 या 80 सीटों का पुराना आंकड़ा हासिल कर सकती है। इसके अलावा वे बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं। यही मांग आंध्र प्रदेश की भी है। क्या भाजपा इनका समर्थन देने के लिए इस मांग पर विचार करेगी? पुराने फॉर्मूले में टीडीपी ने अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय अपना स्पीकर बनाया था। क्या इस बार भी ऐसी कोई मांग हो सकती है? इससे पहले नरेंद्र मोदी ने टके सेर भाजी, टके सेर खाजा का हिसाब बनाया था और कहा था कि हर सहयोगी पार्टी से सिर्फ एक मंत्री बनेगा, चाहे उसके कितने भी सांसद हों। इसी वजह से नीतीश कुमार ने पहले सरकार में शामिल होने से इनकार किया था। लेकिन इस बार ऐसा कोई फॉर्मूला काम नहीं करेगा। टीडीपी और जनता दल यू दोनों को अपने सांसदों की संख्या के हिसाब से मंत्री पद और मंत्रालय चाहिए होगा। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि दोनों पार्टियां बेहतर डील का इंतजार करेंगी।

अयोध्या हार गई भाजपा

स्मृति हारीं, मोदी, राहुल, राजनाथ जीते

यूपी में इस बार लोकसभा के चुनाव के परिणाम अप्रत्याशित रहे। जहां भाजपा 80 सीटों में से सभी 80 सीटें जीतने का दावा कर रही थी वहीं यहां पर भाजपा आधे आंकड़े के आस पास आ कर रुक गई। यूपी में पांच केंद्रीय मंत्री भी चुनाव हार गए हैं।

मुंबई हलचल / अयोध्या

यूपी में इस बार लोकसभा के चुनाव के परिणाम अप्रत्याशित रहे। जहां भाजपा 80 सीटों में से सभी 80 सीटें जीतने का दावा कर रही थी वहीं यहां पर भाजपा आधे आंकड़े के आस पास आ कर रुक गई। यूपी में पांच केंद्रीय मंत्री भी चुनाव हार गए हैं।

राम मंदिर अयोध्या में तो बन गया लेकिन वहां की फैजाबाद सीट से भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिंह को सपा प्रत्याशी से हार का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस से और राहुल गांधी रायबरेली से ऐतिहासिक मतांतर से जीत गए। केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी भी अमेठी सीट पर कांग्रेस के केएल शर्मा से बड़े अंतर से हार गई हैं। स्मृति ईरानी अपना बूथ भी चुनाव में हार गई है।

मुलायम परिवार के पांचों प्रत्याशी लोकसभा चुनाव जीते

- अक्षय यादव फिरोजाबाद से जीते
- आदित्य यादव बदायूं से जीते
- अखिलेश यादव कन्नौज से जीते
- डिंपल यादव मैनपुरी से चुनाव जीतीं
- धर्मेंद्र यादव आजमगढ़ से चुनाव जीते

अरुण गोविल की बच गई साख

लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर एक्जिट पोल के सारे दावे चुनाव रिजल्ट के आगे गलत साबित हुए। अमेठी के बाद अयोध्या में भाजपा प्रत्याश की हार से कई सवाल उठ रहे हैं। जब कि भीम आर्मी प्रमुख चंद्र शेखर नगीना से और रामायण सीरियल में भगवान राम का किरदार निभा चुके अरुण गोविल मेरठ से अपनी साख बचाने में सफल रहे हैं।

इन मंत्रियों ने गंवाई अपनी सीटें

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी लखीमीपुर खीरी से, शहरी आवास केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय चंदौली सीट से हार गए हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति इरानी भी इस बार जनता की गुस्से का शिकार हुईं। सुलतानपुर से मेनका गांधी भाजपा की टिकट पर चुनाव हार गई हैं।

इन चर्चित चेहरों के चेहरे खिले

मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी गाजीपुर से सपा की टिकट पर चुनाव जीत गए। आजमगढ़ से भाजपा उम्मीदवार दिनेश यादव निरहुआ सपा के पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने शिकस्त दी। गोरखपुर से भाजपा के भोजपुरी फिल्म स्टार रवि किशन जीत गए हैं। अखिलेश यादव, उनकी पत्नी डिंपल, केएल शर्मा, पूर्व मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा सपा की टिकट पर और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल चुनाव जीत गए हैं।

ओला में आईपीओ से पहले होगी छंटनी, खतरे में कर्मचारियों की नौकरी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

घरेलू इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ से पहले छंटनी की तैयारी कर रही है। कंपनी की योजना लागत के बोझ को कम कर मुनाफे में आने की है। इससे कंपनी के सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ओला इलेक्ट्रिक में 400 से 500 कर्मचारियों की छंटनी की जा सकती है। कंपनी अपने ऑपरेशन को स्ट्रीमलाइन करने के लिए छंटनी की योजना पर काम कर रही है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि छंटनी में प्रभावित होने वाले कर्मचारियों का आंकड़ा आने वाले दिनों में बदल भी सकता है, क्योंकि अभी कंपनी का वरिष्ठ प्रबंधन छंटनी के स्केल पर विचार ही कर रहा है।

कंपनी की योजना लागत के बोझ को कम कर मुनाफे में आने की

कई वर्टिकल्स पर होगा छंटनी का असर

बताया जा रहा है कि ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक भावेश अग्रवाल प्रस्तावित आईपीओ से पहले कंपनी को मुनाफे में लाना चाहते हैं। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि ओला इलेक्ट्रिक में होने जा रही छंटनी का असर किन कर्मचारियों पर होने वाला है, लेकिन ऐसी आशंका है कि कई वर्टिकल्स के कर्मचारी इससे प्रभावित हो सकते हैं।

हायर हो सकते हैं कम वेतन पर लोग

कंपनी पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालकर उनमें से कुछ की जगह पर नए कर्मचारियों को हायर कर सकती है। अधिक वेतन वाले पुराने कर्मचारियों की जगह पर कम वेतन पर नए कर्मचारी लाने से कंपनी को लागत कम करने में मदद मिलेगी। सूत्रों का ये भी कहना है कि जितने कर्मचारियों की छंटनी होगी, उसकी तुलना में कम कर्मचारी हायर किए जाएंगे। यानी ओला इलेक्ट्रिक के ओवरऑल हेडकाउंट में कमी तय है।

दिसंबर में फाइल हुआ था ड्राफ्ट

ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले साल दिसंबर में आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट फाइल किया था। उस समय कंपनी ने ड्राफ्ट में बताया था कि अक्टूबर 2023 तक उसके कर्मचारियों की कुल संख्या 3,733 थी। कंपनी की योजना आईपीओ लाकर निवेशकों से 5,500 करोड़ रुपए तक जुटाने की है।

हार पर आया कांग्रेस का रिएक्शन, कहा- उपचुनाव व नगर निकाय चुनाव में मिलेगा जनता का आशीर्वाद

मुंबई हलचल/संवाददाता

देहरादून। लोकसभा चुनाव के परिणाम देशभर में कांग्रेस के लिए भले ही उत्साहवर्द्धक हों, लेकिन उत्तराखंड में पार्टी के माथे पर बल डाल दिए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि प्रदेश में भले ही कांग्रेस को आशातीत परिणाम नहीं मिले, लेकिन पार्टी ने पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया है। पार्टी के मत प्रतिशत में वृद्धि हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने एक बयान में कहा कि पार्टी लोकसभा चुनाव में मिले जनादेश का स्वागत करती है और देश की प्रबुद्ध जनता का आभार प्रकट करती है। उन्होंने कहा कि पूरे चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी पार्टी के नेता 10 वर्ष के कार्यकाल में कोई भी विकास का कार्य नहीं गिना पाए और लगातार जनता को भ्रमित करने वाली भाषणबाजी करते रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता चुनाव प्रचार में मंदिर, मस्जिद, मुस्लिम, मछली, मंगलसूत्र, मुजरे पर तो खूब बोले परंतु मणिपुर पर बोलना भूल गए। इसी का जवाब देश की जनता ने अपने जनादेश में उन्हें दिया है। माहरा ने स्वीकार किया

कि प्रदेश में भले ही कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। उन्होंने कहा कि मंगलौर एवं बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनाव और निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी कांग्रेस भारी मतों से विजयी होगी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि भाजपा ने अपने पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल में कोई भी ऐसा काम नहीं किया, जिस पर देश की जनता को गर्व हो। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने देश की जनता को जुमलेबाजी से भ्रमित किया। किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं और गरीब जनता को ठगा गया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के ढोल पीटे गए, लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य उचित देने को कदम नहीं उठाए। देश के अन्नदाता किसानों को रोकने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार ने सड़कों पर कीलें बिछाईं, जिसका जवाब जनता ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को दिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव तथा नगर निकायों के चुनाव में प्रदेश की जनता का आशीर्वाद कांग्रेस को मिलेगा।

सेंसेक्स ने 6000 अंकों का लगाया गोता

ताश के पत्तों की तरह बिखरा शेयर बाजार, आई कोरोना काल की याद!

मुंबई हलचल / मुंबई

चुनावी नतीजों वाले दिन शेयर बाजार में ऐसी सुनामी आई कि उसमें बीएसई का सेंसेक्स 6000 अंकों का गोता लगा गया, तो वहीं एनएसई का निफ्टी 1900 अंक से ज्यादा फिसल गया। कोरोना काल के बाद ये अब तक की सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली है। एक दिन पहले बहार और अगले ही दिन हाहाकार आखिर क्यों मचा? इसके पीछे प्रमुख चार कारण दर्ज किए गए।

- निफ्टी ने भी दो हजार अंकों तक गिरावट दर्ज की, सेंसेक्स और निफ्टी छह फीसदी तक टूटे

सबसे पहले एक्जिट पोल के परिणाम नहीं बने हकीकत। इसके बाद दूसरी प्रमुख वजह भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलना रहा। तीसरे कारण के रूप में विदेशी निवेशकों की बेरूखी रही। विदेशी निवेशकों ने पहले ही बाजार से मुंह मोड लिया था। अनुमान हकीकत न बनने से निवेशकों का सेंटीमेंट बिगड़ा जिसकी वजह से बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

बाजार गिरावट के साथ खुला

बीते दिन यानी सोमवार को एग्जिट पोल में नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार की वापसी के संकेत के बाद स्टॉक मार्केट के प्रमुख बंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाई पर पहुंच गए। ग्लोबल मार्केट से मिल रहे अच्छे संकेतों के बावजूद बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी आज गिरावट के साथ खुले थे।

सेंसेक्स व निफ्टी में 9 अंक तक गिरावट पहुंच गई थी

सेंसेक्स दोपहर में कारोबार के दौरान 4,131.44 अंक या 5.40 प्रतिशत गिरकर 72,337.34 अंक और निफ्टी 1,263.3 अंक या 5.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,000.60 अंक पर आ गया। इसके बाद 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 6,234.35 अंक या 8.15 प्रतिशत गिरकर 70,234.43 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 1,982.45 अंक या 8.52 प्रतिशत गिरकर 21,281.45 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स 72,079 अंक पर हुआ बंद

लोकसभा चुनाव के शुरुआतों रुझानों के बीच शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ खुला। शेयर बाजार के लिए मंगलवार का दिन अमंगलकारी साबित हुआ। कारोबारी सत्र काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कारोबारी सत्र के दौरान आई भारी गिरावट के बाद अंत में सेंसेक्स 4,389.73 अंक (5.74%) की गिरावट के साथ 72,079.05 पर बंद हुआ। इसके साथ ही निफ्टी 1,379.40 अंक (5.93%) की गिरावट के साथ 21,884.50 पर कारोबार खत्म किया।

285 स्टॉक अपने 52 हफ्ते का निम्नतम स्तर पर पहुंचे

बीएसई पर मंगलवार को ऐसा भयानक मंजर था कि 736 कंपनियों ने लोअर सर्किट छुआ और 285 कंपनियों के स्टॉक अपने 52 हफ्ते का निम्नतम स्तर पर पहुंच गए। देश के सबसे पुराने एक्सचेंज पर आज ट्रेडिंग कर रहे 3,873 स्टॉक में से 3,402 में गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही लगभग 100 स्टॉक में कोई बदलाव नहीं आया। सिर्फ 370 स्टॉक ही आज ऐसे रहे, जो हरे निशान का मुंह देख सके।

इन शेयरों ने लगाया अपर सर्किट

लोअर सर्किट लगाने वाले प्रमुख शेयरों में आईनॉक्स विंड, जेएंडके बैंक, अलोक इंडस्ट्रीज, टीवी 18 ब्रॉडकास्ट, वन 97 कम्युनिकेशंस, एनबीसीसी, स्वान एनर्जी, श्नाइडर इलेक्ट्रिक और शक्ति पम्पस शामिल रहे। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप भी लगभग 23 लाख करोड़ रुपये कम हो गया। इस भारी गिरावट के बावजूद 119 स्टॉक ने 52 हफ्तों का सर्वोच्च स्तर हासिल किया। साथ ही 92 स्टॉक ने अपर सर्किट भी लगाया है।

जी मिचलाने की परेशानी को दूर करेंगे ये उपाय

कई बार लजीजदार खाने के चक्कर में लोग जरूरत से ज्यादा खा लेता हैं। जो बाद में पचाने में परेशानी होती है। जिससे जी मचलाने और घबराहट की परेशानी होने लगती है। कई बार गलत खान-पान और ज्यादा देर भूखे रहने से भी जी मिचलाने लगता है। दवाइयां खाने से बेहतर है कि कुछ घरेलू उपाय अपना कर भी इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

1. नींबू
नींबू में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड जी मिचलाने से राहत दिलाता है। एक नींबू काटकर इसकी खुशबू लें। यह जी मिचलाने की भावना को कंरता है।

2. पिपरमिंट
पेट में गड़बड़ी होने पर पुदीने खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा सूती कपड़े पर पिपरमिंट तेल लगाकर मसूढ़ों पर लगाने से जी मिचलाने की परेशानी दूर हो जाती है।

3. अदरक
अदरक सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियों को कम करने का काम करता है। जी मिचलाने पर अदरक वाली चाय पीने से भी फायदा मिलता है।

4. बेकिंग सोड़ा
रसोई में इस्तेमाल होने वाला बेकिंग सोड़ा जी मिचलाने का समस्या से राहत दिलाने में मददगार है। जी मिचलाने के लिए आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोड़ा पानी में घोलकर पी लें। यह पेट का पी एच एसिड में बदलाव करता है। जिससे घबराहट और जी मिचलाने की परेशानी दूर हो जाती है।

5. मेडिटेशन
यह प्रक्रिया शरीर से जुड़ी बहुत सी समस्याओं पर नियंत्रण रखने का काम करती है। तनाव,घबराहट या फिर किसी तरह की कोई परेशानी महसूस करें तो मेडिटेशन का सहारा लें। इससे आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगी।

पूरी रात चेहरे पर लगाकर रखें यह सीरम, फिर देखिए कमाल

चेहरा भले ही कितना ही गोरा क्यों न हो लेकिन जब तक उसपर ग्लो नहीं आता, तब तक चेहरे की खूबसूरती फीकी है। लड़कियां अपने चेहरे पर ग्लो लाने के लिए कई तरह के ब्यूटी ट्रीटमेंट और मार्कीट में मिलने वाली सीरम का इस्तेमाल करती है, जिनमें कई तरह के कैमिकल्स मिले होते हैं जो चेहरे को फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकते है। ऐसे में आप घर पर बने कैमिकल्स फ्री सीरम का इस्तेमाल करें जिससे चेहरे पर गजब का ग्लो आएगा। आइए जानते है होममेड फेस सीरम बनाने की तरीका।

जरूरी सामग्री
- गुलाब की पत्तियां
- 3-4 बड़े चम्मच दूध
- 1 बड़ा चम्मच ग्लिसरीन
- 2 विटामिन ई कैप्सूल
- 1 चम्मच पैट्रोलियम जैली
- 5 चम्मच एलोवेरा जैल

विधि
सबसे पहले एक मिक्सी में गुलाब की पत्तियां डालकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को छलनी में छान लें। अब गुलाब की पत्तियों के रस में दूध, ग्लिसरीन, विटामिन ई कैप्सूल पैट्रोलियम जैली डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर इस पेस्ट को एलोवेरा जैल में मिला लें और फिर से अच्छे से मिक्स करें। फिर इसको सोने से पहले चेहरे और हाथों पर लगाएं और पूरी रात ऐसे ही लगा रहने दें। इससे चेहरे पर गजब का ग्लो आएगा और चेहरे की रंगत निखर जाएगी।

फटे होंठों से लेकर पाउटी लिप्स तक के घरेलू नुस्खे

खूबसूरत चेहरे और आंखों के साथ-साथ होंठों का भी अहम रोल होता है लेकिन होंठों का कालापन चेहरे की खूबसूरती में ग्रहण का काम करता है। ऐसे में लड़कियां अपने होंठों का खूबसूरत औक मुलायम बनाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती है। कई ट्रीटमेंट का सहारा लेती है। अगर आप भी अपने होंठो को खूबसूरत और सेक्सी लुक देना चाहती है तो आज हम आपको कुछ गरेलू टिप्स बताएंगे, जो होंठों से जुड़ी हर प्रॉबल्म को मिनटों में दूर कर देंगे।

– होंठों का कालापन दूर करें
अगर आप अपने होंठों नैचुरली गुलाबी बनाना चाहती है तो नींबू के रस में शहद मिला लें। इसे 1 घंटे तक होंठों पर लगा कर रखें। फिर किसी मुलायम और गीले कपड़े से होंठों को साफ करें। इससे होंठों का कालापन दूर होगा।

– फटे होंठों के लिए नुस्खा
अगर आपके होंठ फटे हुए रहते है तो सोने से पहले ग्लिसरीन को होंठों पर लगाएं। इससे कुछ ही दिनों में होंठ पिंक और मुलायम हो जाएगा। इसके अलावा ऐलोवेरा जैल लेकर अपने होंठों पर तब तक लगाएं जब तक वह सूख ना जाए।

– पाउटी लिप्स के लिए टिप्स
पाउटी लिप्स का इन दिनों काफी क्रेज है। कुछ लड़कियां तो सर्जरी के सहारे अपने होंठों को उभरे हुए दिखाना चाहती है। अगर आप भी उन्ही लड़कियों जैसी ख्वाहिश रखती है तो बाउल में सफेद या ब्राउन शुगर डाल लें। फिर इसमें अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े काटकर मिलाएं और पुराने ब्रश की मदद से होंठों पर लगाएं और सकुर्लेशन मोशन में घुमाएं।

सिर पर फिर से लहराएंगे बाल, गंजेपन के सस्ते और असरदार नुस्खे

बाल हमारी पर्सनैलिटी का एक अहम हिस्सा है। बालों के बिना खूबसूरत से खूबसूरत चेहरा भी फिका पड़ जाता है। आजकल के समय में हर कोई बालो से जुड़ी किसी न किसी समस्या से परेशान नजर आता है जिसमें झड़ते बालों की समस्या हर किसी को होती है। कई बार तो गंजेपन का सामना तक करना पड़ता है। गंजेपन के कई कारण हो सकते है जैसे तनाव, गर्भावस्था में होना,शरीर में पोषक तत्वों की कमी ,वजन का कम होना अन्य आदि कई समस्याएं हो सकती है। गंजापन केवल महिलाओं की ही नहीं बल्कि पुरुषों की भी समस्या है जिससे छुटकारा पाने के लिए लोग तरह-तरह के ट्रीटमेंट और ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का सहारा लेते है जिनका परिणाम कुछ खास निकल कर नहीं आता। अगर आप भी झड़ते बालों या गंजेपन से निजात पाने की हर मुमकिन कोशिश कर चुके है तो घबराएं नहीं। आज हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे जिनकी मदद से आप गंजेपन से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकते है।

1. शहद और दालचीनी
थोड़ा सा ऑलिव ऑयल लेकर उसे गर्म कर लें। फिर इसमें दालचीनी और शहद मिला लें। इस मिश्रण से बालों की मसाज करें और 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर बालों को धो लें।

2.कलौंजी और पानी
सबसे पहले कलौंजी को अच्छे से पीस लें। एक बाउल लेकर उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाकर पिसी हुई कलौंजी को डाल दें। अब इस मिश्रण को उबाल लें। फिर इस पानी के ऊपर तैर रहे तेल को किसी शीशी में इक्ट्ठा करें। इस तेल को रोजाना बालों पर लगाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

Estd. : 2011

G. D. JALAN COLLEGE

Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board (MARWARI MINORITY)

Upper Govind Nagar, Malad (East)

NAAC accredited with B+ ISO 9001: 2015 Certified College

Admissions Open

The following programs are as per National Education Policy (NEP 2020)

B.Com.: : Bachelor of Commerce

B.Com.: : Bachelor of Commerce (Management Studies)

B.A.F.: : Bachelor of Commerce (Accounting and Finance)

B.Sc.: : Bachelor of Science

B.Sc.I.T.: : Bachelor of Science (Information Technology)

College Code : MU-0527

Contact Number: 9321558419/ 9321674124

सिंगर सोनू निगम पर जमकर भड़के लोग

अयोध्या में बीजेपी की हार पर किया था पोस्ट

अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा और बीजेपी नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार में राम मंदिर का जिक्र करने के बाद भी बीजेपी सपा से हार गई है। लोगों के लिए यह सबसे ज्यादा शॉकिंग रिजल्ट रहा। इन सबके बीच सोशल मीडिया पर सिंगर सोनू निगम का नाम सामने आया, जिस पर लोग काफी ज्यादा भड़क गए हैं। लोगों ने उन्हें खूब खरी खोटी सुनाई। हालांकि, सच्चाई तो यह है कि जिस काम के लिए लोग सोनू निगम पर भड़क रहे हैं वह उन्होंने किया ही नहीं है। अयोध्या में बीजेपी की हार के बाद सोशल मीडिया पर सोनू निगम नाम के ट्विटर हैंडल से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें लिखा है, 'जिस सरकार ने पूरे अयोध्या को चमका दिया, नया एयरपोर्ट दिया, रेलवे स्टेशन दिया, 500 सालों के बाद राम मंदिर बनवाकर दिया। पूरी की पूरी एक टेंपल इकोनॉमी बनाकर दी, उस पार्टी को अयोध्या में लोकसभा सीट पर संघर्ष करना पड़ रहा है। शर्मनाक है अयोध्यावासियों।' यह ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके बाद लोग सिंगर सोनू निगम को ट्रोल कर रहे हैं। ट्वीट करने वाले शख्स का पूरा नाम सोनू निगम सिंह है, लेकिन लोग यह ट्वीट बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम का समझ रहे हैं। नाम एक जैसा होने की वजह से लोग इस मामले से सोनू निगम को जोड़ रहे हैं, लेकिन उनका इससे कोई लेना देना नहीं है। ट्विटर अकाउंट सोनू निगम सिंह का है और उनके प्रोफाइल में साफ लिखा है कि वह पेशे से एक वकील हैं।